परमेश्वर मसीही मंडलियों को सर्वेक्षक देता है।

विषय सूचि

परिचय
विषय सूचि
परिचय
कहानी
बाइबल सर्वेक्षकों के विषय क्या कहती है
1. प्राचीन इस्राएल में
2. सुसमाचार में
3. यरूशलेम की मन्डली में
4. अन्यजाति मंन्डली में
5. मंडलियों की पत्रियों में
6. पास्टरों की पत्रियों में
7. मसीहियों की पत्रियों में
प्रयोगात्मक सलाह
सर्वेक्षकों के लिये खतरे
कहानी जारी है
प्रयोगात्मक कार्य
समापन

परिचय

पवित्र आत्मा से कहें कि वह आपको अपनी कलीसिया में यीशु के अनुयायियों को निरीक्षण करना सिखाये।

कहानी

मिस्टर ट्रेयनर (प्रशिक्षक) ने विश्वासी से पूछा, ''क्या कोई छोटे बच्चे को मैदान में अपने आप बढ़ने के लिये छोड़ेगा?''

मि. विश्वासी हंसता है और उत्तर देता है, ''नहीं,उसके माता पिता नये बच्चे को अपने घर लेकर उसको देखमाल करेंगे''।

मि. विश्वासी फिर हंसता और उत्तर देता है, ''नहीं,एक अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ो की अगुवाई करेगा और उन्हें भेडियों से बचायगा। जैस झुन्ड बढ़ता है, चरवाहा नये चरवाहों को प्रेरित करेगा कि वे भेड़ों की देख भाल करने के उसकी सहायता करें।

मि. ट्रेनर बयान करता है, ''इसी प्रकार नये विश्वासीयों को किसी को देख -भाल की आवश्यकता

होती है। ऐसी देखभाल करने वालो को हम ''सर्वेक्षक'' कहते हैं। ये सर्वेक्षक पास्टर भी कहलाता है।

मि. ट्रेनर फिर कहता है ''बहुत से लोगों ने तुम्हारे नगर में यीशु के पीछे चलना आरम्भ कर दिया है। यदि मैं आपको प्रशिक्षित करूं तो क्या उनके सर्वेक्षक बनोगे, उन्हें सिखाकर बचाओगे?''

मि. विश्वासी उत्तर देता है, ''मै नये अनुयायियों की सहायता करना चाहता हू पर मैं नहीं जानता कि कैसे सर्वेक्षक को क्या करना चाहिये?''

मि. ट्रेनर सुझाव देता है, ''आइये सर्वेक्षको के विषय बाइबल में पढ़ें''

बाइबल सर्वेक्षकों के विषय क्या कहती है

1. प्रचीन इस्याएल में

बहुत समय पहले, जब अनन्त परमेश्वर ने इस्त्राएलियों को मिस्त्र से बच निकलने में सहायता की तो उनका अगुवा केवल मूसा था। हर दिन सुबह से शाम तक, वह लोगों के प्रश्नों का उत्तर देता रहा और उनके झगड़े निपटाता रहा। वह बहुत थक जाता और लोग शिकायत करते, क्योंकि वह उन सब की मदद नहीं कर सकता था।

जब मूसा का ससुर उससे मिलने आया, उसने देखा कि मूसा कितना व्यस्त था तो उसे सलाह दी

> ''इसलिये मेरी सुन ले मैं तुझ को सम्मति देता हूं, और परमेश्वर तेरे संग रहे! तू तो इन लोगों की लिऐ परेमश्वर के सन्मुख जाया कर और इनके मुकदमें को तू परमेश्वर के पास पहुंचा दिया कर। इन्हें विधि और व्यवस्था प्रगट कर करके जिस मार्ग पर इन्हें चलना और जो जो काम उन्हें करना हो वह इनको जता दिया कर। फिर तू इन सब लोगों में से ऐसे पुरूषों को छांट ले, जो गुलामी और परमेश्वर का भय मानने वालो, सच्चे और अन्याय के लाभ से घृणा करने वाले हों, और उनको हजार हजार सौ-सौ पचास पचास और दस दस मनुष्यों पर प्रधान नियुका कर दें ! और वें सब समय इन लोगों का न्याय किया करें और सब बड़े बड़े मुकदमों को ही किया करे; तब तेरा बोझ हलका होगा क्योंकि इस बोझ को वे भी तेरे साथ उठायेंगे। यदि तू ये उपाय करे और परमेश्वर तुझ को ऐंसी आत्मा दे तो तू ठहर सकेगा और ये सब लोग अपने स्थान को कुशल से पहुंच सकेंगे। अपने ससुर को ये बात मानकर मूसा के सब उसके वचनो के अनुसार किया'' (निर्गमन18:19-24)

कृपया इस प्रशन का उत्तर दें:

- सर्वेक्षका का होना क्यों महत्वपूर्ण हैं?
- किस प्रकार के पुरूष सर्वेक्षक बन सकते हैं?
- किस प्रकार के विभिन्न आकार के झुंड़ों की सर्वेक्षको को आवश्यकता है?

2. सुसमाचार में

यीशु जानता है कि उसके अनुयायियों की लोगों को आवश्यकता है जो उनसे प्रेम कर सकें उन्हें सिखा सकें और उनको अगुवाई कर सकें। उसने सिखाया कि वह स्वंय एक अच्छा चरवाहा अपनी झुन्ड़ का है। उसने कहा:

> ''अच्छा चरवाहा मैं हूं जिस तरह पिता मुझे जानता है और मैं पिता को जानता हूं। इसी तरह मैं अपनी भेड़ों को जानता हूँ, और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं और मैं भेड़ों के लिऐ अपना प्राण देता हूँ। और भी भेड़ें हैं जो इस भेड़शाला की नहीं उनका भी लाना अवश्य है वे मेरी शब्द सुनेगी, तब एक ही झुन्ड और एक ही चरवाहा होगा। पिता इसलिये मुझ से प्रेम रखता है कि मैं अपना प्राण देता हूँ कि उसे फिर ले लूं।''(यूहन्ना 10:14-17)

यीशु के मरने के बाद और पुनः जीवन में जब आया, वह अपने कुछ अनुयायियों को दिखा

यीशु ने शमौन पतरस से कहा ''हे शमौन यूहन्ना के पुत्र क्या तू इनसे बढ़कर मुझ से प्रीत रखता है? उसने उससे कहा, हाँ प्रभु तू तो जानता है कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूँ: उसने उससे कहा मेरे मेमने को चरा। उसने फिर दूसरी बार उस से कहा, हे शमौन यूहन्ना के पुत्र क्या तू मुझसे प्रेम रखता है? उसने उससे कहा हाँ प्रभु तू जानता है कि मैं तुझ से प्रीत रखता हूँ: उसने उससे कहा, मेरी भेड़ों की रखवाली कर। उसने तीसरी बार उससे कहा, हे शमौन यूहन्ना के पुत्र क्या तू मुझसे प्रीत रखता है? पतरस उदास हुआं कि उसने उससे तीसरी बार ऐसा कहा, कि क्या तू मुझ से प्रीत रखता है, और उससे कहा, हे प्रभु तू तो सब कुछ जानता है कि मै मुझ से प्रीत रखता हूं: यीशु ने उससे कहा मेरी भेड़ों को चरा''। (यूहन्ना 21:15-17)

बाद में पतरस ने अनुयायियों को पत्र लिखा और कहा:

''तुम में जो प्राचीन हैं मैं उनकी नाई प्राचीन और मसीह के दु:खों का गवाह और प्रगट होने वाली महिमा में सहभागी होकर उन्हें ये समझाता हूं। कि परमेश्वर के उस झुन्ड की जो तुम्हारे बीच में हैं रखवाली करो; और ये दबाव से नहीं परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से और नीच कमाई के लिये नहीं पर मन लगाकर। और जो लोग तुम्हें सौंपे गये हैं उन पर अधिकार न जताओ वरन झुन्ड के लिये आदर्श बनो। और जब प्रधान रखवाला प्रगट होगा, तो तुम्हें महिमा का मुकुट दिया जायेगा जो मुरझाने का नहीं''। (1पतरस 5:1-4)

कृपया इस प्रश्नों का उत्तर दें:

- सर्वेक्षक का काम कैसा -जैसे चरवाहे जैसा है?
- सर्वेक्षक का रवैया कैसा है?
- वे जो सर्वेक्षक के रूप में सेवा करते उन्हें परमेश्वर किस प्रकार का प्रतिफल प्रस्तुत करता है?

3. यरूशलेम की कलीसिया में

स्वंय प्रेरितों ने यरूशलेम की कलीसिया में सर्वेक्षक के रूप में कार्य किया । प्रेरित 4 एंव 5

''और प्रेरित बड़ो सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था। और उनमें कोई दरिद्र न था, क्योंकि जिनके पास भूमि या घर थे वे उनको बेच बेच कर बिकी हुई वस्तुओं का दाम लेते और उस प्रेरितों के पावों पर रखते थे। और जैसी जिसे आवश्यकता होती थी उसके अनुसार हर एक को बाँट दिया करते थे (प्रेरित 4:33-35).....वे इस बात से आनन्दित होकर महा सभा के साम्हने से चले गये कि हम उसके नाम के लिये होने के योग्य तो ठहरे। और प्रतिदिन मन्दिर में और घर में उपदेश करने और इस बात का सुसमाचार सुनाने से, कि यीशु ही मसीह है'' (प्रेरित 5:41-42)

बाद में बारह प्रेरितों ने सहायकों को नियुक्त किया जिन्हें उन्होंने विशेष कार्य सौंपा।

''तब उन बारहों ने चेलें को मंडली को अपने पास बुलाकर कहा, ये ठीक नहीं कि हम परमेश्वर का वचन छोड़कर खिलाने की सेवा में रहें। इसलिये हे भाइयो, अपने में से सात सुनाम पुरूषों को जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों, चुन लो कि हम उन्हें इस काम पर ठहरा दें। परन्तु हम तो प्रार्थना में और वचन को सेवा में लगे रहेंगे यह बात सारी मन्डली को अच्छी लगी'' (प्रेरित 6:2-5)

प्ररितों और प्राचीनों ने यरूशलेम में सुना और कठिन प्रश्न चुने।

> ''जब पौलुस और बरनबास का उन से बहुत झगड़ा और वाद-विवाद हुआ तो ये ठहराया गया, कि पौलुस और बरनबास, और हम में से कितने और व्यक्ति इस बात के विषय में यरूशलेम को प्रेरितों और प्राचीनो के पास जाए।.....जब वे यरूशलेम में पहुंचे तो कलीसिया और प्रेरित और प्राचीन उन से आनन्द से मिले, और उन्होंने बताया कि परमेश्वर ने उन के साथ होकर कैसे कैसे काम किए थे''। (प्रेरित 15: 2-4)

कृपाकर इस प्रश्न का उत्तर दें:

- वे कौन से कार्य हैं जो सर्वेक्षक को करना होता है?

4. अन्यजाति मन्डली में

भविष्यद्वक्ता और शिक्षक जिन्हों ने अन्ताकिया की मंडली में सेवकाई की प्रेरितों को बाहर नई मन्डली आरम्भ करने के लिये भेजा।

> ''अन्ताकिया की कलीसिया में कितने भविष्यद्वक्ता और उपदेशक थे...जब वे उपवास सहित प्रभु की उपासना कर रहे थे तो पवित्र आत्मा ने कहा; ''मेरे निमित्त बरनबास और शाऊल को उस काम के लिये अलग करो जिसके लिये मैंने उन्हें बुलाया है'' तब उन्होंने उपवास और प्रार्थना करके और उन पर हाथ रख कर उन्हें बिदा किया''(प्रेरित 13:1-3)

पौलुस ने हर मन्डली के लिये प्राचीनो को नियुक्त किया-जहां उन्होंने नये अनुयायी बनायें।

> ''उन्होंने सुसमाचार सुनाया..... और बहुत से चेले बनाकर.....चेलों के मन को स्थिर करते रहे थे और उपदेश देते थे कि विश्वास में बने रहो, और ये करते थे कि ''हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा और उन्होंने हर एक कलीसिया में उन के लिये प्राचीन ठहराये और उपवास सहित प्रार्थना करके उन्हें प्रभु के हाथ सौंपा जिस पर उन्होंने विश्वास किया था''(प्रेरित 14:21-23)

प्राचीनो को स्वंय अपने आपको देखना था और झुन्ड को भी और उन्हें धोखे बाज भेड़ियों से बचाना था।

> ''और उसने (पौलुस ने) इफिस्सिुस में कहला भेजा और कलीसिया के प्राचीनो को बुलाया, जब वे उसके पास आए, तो उन से कहा..... इसलिये अपनी और पूरे झुन्ड को चौकसी करो जिस में पवित्र आत्मा ने तुम्हें अध्यक्ष ठहराया है, कि तुम परमेश्वर के कलीसिया की रखवाली करो जिसे उसने अपने लोहू से मोल लिया है। मैं जानता हूं कि मेरे जाने के बाद फाड़ने वाले भेड़िये तुम में आयेंगे जो झुन्ड को न छोड़ेगे, तुम्हारे हो बीच में से भी ऐसे ऐसे मनुष्य उठेंगे जो चेलों को अपने पीछे खोंच लेने को टेढ़ी मेढ़ी जाती कहेंगे''।(प्रेरित 20: 17-18; 28-30)

कृपया इन प्रश्नों का उत्तर दें।

- पौलुस ने सर्वेक्षकों को क्या चिनौती दी?
- वे कुछ और काम क्या है जो सर्वेक्षक करते हैं?

5. मंडलियों के पत्रों में

परमेश्वर की आत्मा कुछ लोगों को कलीसिया के सर्वेक्षक हाने का वरदान देता है। रोमियों 12, 1 कुरिन्थि 12 इफिस्सि 4 फिलिप्पी 1

> ''उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया हैं हमें भिन्न भिन्न वरदान मिले हैं.....जो अगुवाई करे वह उत्साह से करे जो दया करे वह हर्ष से करे (रोमी 12:6-8) और परमेश्वर ने

कलीसिया में अलग अलग व्यक्ति नियुक्त किये है प्रथम प्रेरित दूसरे भविष्यद्वक्ता तीसरे शिक्षक ....तब अगुवाई के तरीके (1 कुरिन्थि 12:28) औरउसने कितनो को प्रेरित नियुक्त करके और कितनो को भविष्यद्वक्ता नियुक्त करके और कितनो को सूसमाचार सुनाने वाले नियुक्त करके और कितनो को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया'' (इफिसियों 4:11)

स्थानीय मसीही संगति में दो प्रकार के कार्यकर्ता है।

''.....सब पवित्र लोगों के नाम जो मसीह यीशु में होकर फिलिप्पिमें रहते हैं अध्यक्षों और सेवकों समेत हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह को और तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे'' (फिलिप्पियों 1:1-2)

वे मसीही समुदाय में सेवा करते हैं और उसके बदले दूसरे उनका सम्मान करते हैं।

''मैं तुम से फोर्ब को जो हमारी बहन और किरिवया की कलीसिया की सेविका हैं, तो करता हूं कि तुम जैसा कि पवित्र लोगों को चाहिये उसे प्रभु में ग्रहण करो; और जिस किसी बात में उसको तुमसे प्रयोजन हो उसकी सहायता करो क्योंकि वह भी बहुतों को वरन मेरी भी उपकारिणी हुई है(रोमियों 16:1-2) हे भेड़ियो तुम स्तेफिनुस के घराने को जानते हो कि वे अखया के पहले फल है और पवित्र लोगों को सेवा के लिये तैयार रहते हैं सो मैं तुम से बिनती करता हूं कि ऐसों के आधीन रहो वरन हर एक के जो इस काम में परिक्षमी और सहकर्मी हैं'' (1कुरिन्थो 16:15-16)उसी की शिक्षा तुमने हमारे प्रिय सहकर्मी से पाई सो हमारे लिये मसीह का विश्वासयोग्य सेवक है'' (कुलुस्सियें 1:7)

कृपाया इन प्रश्नो का उत्तर दें:

- किस प्रकार सर्वेक्षक अपने कार्यो में दस हो जाते हैं?
- अनुयायी कैसे विश्वासी को पहचान सकते हैं जो अच्छे सर्वेक्षक बनेगा?

6. पास्टरों के पत्रों में

सर्वेक्षक अपने आप करे परमेश्वर के वचन सिखने में समर्पित है, सब विश्वासियों को सेवकाई के लिये और नये सर्वेक्षकों को प्ररिक्षित करने में सुसज्जित करता है।

''इसलिये हे मेरे पुत्र तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है बलवन्त हो जा। और जो बातों तूने बहुत गवाहों के सामने मुझ से सुनी है उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दे जो औरों को भी सिखाने के योग्य हो'' (2तिमुथि 2:1-2)

हर नगर में प्राचीनो को नियुक्ति को जानी चाहिये।

''मैं इसलिये तुझे क्रेते में छोड़ आया था कि जो शेष बची हुई बातों को सुधारे, और मेरी आज्ञा के अनुसार नगर नगर प्राचीनो को नियुक्त करे। क्योंकि परमेश्वर का भन्डारी होने के कारण निर्दोष होना चाहिये'' (तीतुस 1:5-7)

सर्वेक्षकों, और उनके सहायकों, को कुछ आवश्यकता पूरी करना है-1 तिमुथि 3, तीतुस 1।

ये बात सत्य है : कि जो अध्यक्ष होना चाहता है जो वह भले काम की इच्छा करता है, सो चाहिये कि अध्यक्ष निर्दोष हो .....और बाहर वालों में भी सुनाम हो, ऐसा न हो कि निन्दित होकर शैतान के फन्दे में फंस जाये सेवकों को होना चाहिये और ये भी पहले परखे जायें; तब यदि निर्दोष निकले तो सेवक का काम करें। (1तिमुथि 3:1-10)

हर नगर में प्राचीनों को नियुक्त कर....जो निष्कलंक हो.....अध्यक्ष के लिये जैसे परमेश्वर का भन्डारी हो, निर्दोष हो..... सुसमाचार प्रचार कर सकता हो और जो विरोध करताउनका सामना कर सके (तीतुस 1:5-9)

एक मसीही संगति, यदि पैसा दे सकते तो सर्वेक्षक को जो कठिन परिश्रम करता मज़दूरी देनी चाहिये

> ''जो प्राचीन अच्छा प्रबन्ध करते हैं विशेष करके वे जो वचन सुनाने और सिखाने में परिश्रम करते हैं दो गुने आदर के योग्य समझे जायें। क्योंकि पवित्र शास्त्र कहता है कि दांवने वाले बैल का मुंह ना बांधना क्योंकि मज़दूर अपनी मज़दूरी का हकदार है''(1तिमुथि 5:17-18)

सर्वेक्षक जो पाप करते उन्हें सबके सामने डरा देना चाहिये

> ''कोई दोष किसी प्राचीन पर लगाया जाये तो बिना दो या तीन गवाहों के उसको न सुन। पाप करने वालों को सबके सामने समिक्षा दे ताकि और लोग भी डरें'' (1तिमुथि 5:19-20)

कृपाया इन प्रश्नो के उत्तर दो:

- नये सर्वेक्षक किस प्रकार अपने कार्यों में प्रशक्षित किये जाते हैं?
- पूरे समय के निरीक्षक या सर्वेक्षक बताने की शर्ते हैं?

7. मसीहियों के पत्रों में

सभी अनुयायी सर्वेक्षक नहीं। बनते जो दूसरों को सिखाते हैं, क्योंकि सर्वेक्षकों को मसीह के अनुयायियों के लिये आदर्श होना चाहिये।

> ''हे मेरे भाइयो तुम में से बहुत उपदेशक न बने, क्योंकि जानते हो कि हम उपदेशक और भी दोषी ठहरेंगे। इसलिये कि हम बहुत बार चूक जाते हैं जो कोई वचन में नहीं चूकता वही तो सिद्ध मनुष्य है, और सारी देह पर भी लग सकता है'' (याकूब 3:1-2)

सर्वेक्षक बीमारों के लिये प्रार्थना करता है।

> ''यदि तुम में कोई रोगी हो तो कलीसिया के प्राचीनो को बुलाये, और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मल कर उसके लिये प्रार्थना करें। और विश्वास को प्रार्थना से रोगी बच जायेगा और प्रभु उसको उठाकर खड़ा करेगा और यदि उसने पाप भी किये हों तो उनकी भी क्षमा हो जायेगी। इसलिये तुम आपस में एक दूसरे के साम्हने अपने पापों को मान लो और एक दुसरे के लिये। प्रार्थना करो जिससे चंगे हो जाओ, धर्मोजन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है''। (याकूब 5:14-16)

सर्वेक्षक को अपनी इच्छा से सेवा करनी चाहिये, लालच से नहीं, झुन्ड के लिये विशेषरूप में।

> ''तुम में जो प्राचीन हैं मैं उन की नाई। प्राचीन और मसीह के दु:खों का गवाह और प्रगट होने वाली महिमा में सहयोगी होकर उन्हें ये समझाता हूँ। कि परमेश्वर के उस झुन्ड की जो तुम्हारे बीच में है रखवाली करो: और ये दबाव ये नहीं परन्तु परमेश्वर को इच्छानुसार आनन्द से और नीच कमाई के लिये नहीं, पर मन लगाकर और जो लोग तुम्हें सौंपे गये हैं उन पर अधिकार न जताओ, वरन झुन्ड के लिये आदर्श बनों''(1पतरस 5:1-3)

कृपया इस प्रश्न का उत्तर दें:

- सर्वेक्षकों को कुछ विधि(कर्तव्य) क्या है?
- एक सर्वेक्षक के कार्यों का सही उद्देश्य क्या है?

प्रयोगात्मक सलाह

अधिकांश घटनाओं में एक नये सर्वेक्षक को एक वयस्क पुरूष होना चाहिये जिसके पास पहला हो से अपना घर हो और परिवार जिसकी वह अगुवाई करता हो। एक कलीसिया का निरीक्षणा करना कि उस प्रकार है मानो आपने परिवार की अगुवाई करना है। साधारगत: अविवाहित जवान पुरूषों का सम्मान नहीं किया जाता और नहीं जानते कि कैसे दूसरों को देखभाल करनी है

नई मन्डली में या विश्वासियों के नये झुन्ड में बहुधा सबसे उत्तम सर्वेक्षक नये विश्वासियों में से एक होगा क्योंकि वह उन्हें समझेगा और वे उसका आदर करेंगे। फिर भी एक नये विश्वासी को सर्वेक्षक का पद नहीं देना चाहिये बल्कि एक नया विश्वासी को ''अस्थायी प्राचीन'' या ''नौसिरिया सर्वेक्षक'' कहा जा सकता है जब तक कि वह अपने साबित न करे और विश्वासी उस पर भरोसा न करने लगें।

हर एक अस्थायी सर्वेक्षक का एक प्रशंसक होना चाहिये जो उस परामर्श देगा। प्रशिक्षक दूसरा सर्वेक्षक हैं जिसे अधिक अनुभव है। प्रशिक्षक को नौसिखिये सर्वेक्षक को लगातार मिलना चाहिये और इन चीजों में भी:

- उसको सुनो, जो मंडली या झुन्ड को आवश्यक है उसको रिपोर्ट करें।
- योजना बनाने में उसकी सहायता करो कि वह अपनी मंडली की कैसे सहायता करेगा
- उस बाइबल से सिखाओ।
- उसे पाठ दो जो उसे हाल को मंडली को आवश्यकताओं को पूरा करने में उसको सहायता करेगा।
- जो पाठ उसने तैयार किया है उसे निरीक्षण करो या उसे उसके विषय बात करने दो।
- नये हुनरों के साथ प्रयोग करो जिसे नौसिखिये सर्वेक्षकों को सीखने की आवश्यकता है।
- नौसिखिये सर्वेक्षकों के लिये प्रर्थना करो और मंडली के लोगों के लिये भी।
- समस्याओं के साथ अधिक समय न बितायें। हमेशा नई गतिविधियों को देखो या सेवकाइयें को जो नई मन्डली में विकसित होने में सहायता करेगी।

शीघ्र ही जब नौसिखिया सर्वेक्षक अपनी ट्रेनिग आरम्भ करने के बाद या मंडलि का निरीक्षण करता है तो वह दूसरे नौसिखिये सर्वेक्षक का प्रशिक्षण आरम्भ कर सकता है। प्रशिक्षक सर्वेक्षक को सलाह दे सकता है और सामग्री भी जिससे नये व्यक्ति ट्रेन्ड किया जा सकता है। इस प्रकार हर नौसिखिया सबसे दूसरे नौसिखिये सर्वेक्षक को ट्रेन्ड कर सकता है और कई नई मन्डलियां आरम्भ कर सकते हैं सामग्री के साथ उपयोगी कार्यक्रम जो आपकी सहायता कर सकता है जो किया जा सकता जो ट्रेन्ड एन्ड मल्टी लाई'' कहलाता है। अपनी भाषा में कार्यक्रम के विषय pwr@trianandmultiply.com

जब एक वर्ष तक सर्वेक्षक प्रशिक्षित किया गया उसकी मंडली या मातृ मंडली उन पर हाथ रख सकती हैं और उस सर्वेक्षक पास्टर या प्राचीन कहला सकता है इस कार्य को देने की प्रक्रिया को अभिषेक कह सकते हैं। यदि आप इसे अभिषेक कहें तो निश्चित हावे कि आपको उन्ही चीजों की आवश्यकता है जो नये नियम की हैं। मानव आवश्यकता को जोड़ने के लिये नई मन्डली की बढ़ौतरी और मसीह की आज्ञा पालन करना रखती है।

अधिकार पुरूषों को मन्डली आरम्भ करना चाहिये उसका निरीक्षण करना चाहिये और दूसरी मंडली आरम्भ करने में सहायता करनी चाहिये इससे पहले कि वे बाइबल स्कूल में चले जायें।

यदि मन्डली काफी बड़ी हो जाती है कि सर्वेक्षक को पैसे दे सकें सब सदस्य दशांश और दान स्वंय इकठ्ठे कर सर्वेक्षक को वेतन दे सकते हैं। सर्वेक्षक जो वेतन प्राप्त करता है उसे पूरे समय कार्य करना चाहिये और उसे किसी और काम या व्यापार में नहीं लगाना चाहिये।

सर्वेक्षक के लिये खतरे

कभी कभी एक सर्वेक्षक मसीही संगति में कुछ गलत कर सकता है। सर्वेक्षक को अकसर परमेश्वर से परीक्षा में पार होने के लिये प्रार्थना करनी चाहिये। सर्वेक्षक के कुछ सामान्य पाप ये हैं:

1. सर्वेक्षक चेलों को अपने पीछे ले जा सकते हैं।

"काटने वाले भेड़िये तुम में आयेंगे जो झुन्ड को न छोड़ेंगे। तुम्हारे ही बीच में से भी ऐसे ऐसे

मनुष्य उठेंगे जो चेलों को अपने पीछे खींच लेने का टेढ़ी मेढ़ी बातें कहेंगे" (प्रेरित 20:29-30)

2. सर्वेक्षक पाप करते पकड़ा जा सकता है।

   "कोई दोष किसी प्राचीन पर लगाया जाये तो बिना दो या तीन गवाहों के उस को न सुन। पाप करने वालों को सब के सामने समझा दे ताकि और लोग भी डरें। परमेश्वर और मसीह यीशु और चुने हुए स्वर्ग दूतों को उपस्थित जान कर मैं तुझे चिनौती देता हूँ कि तू मन खोलकर इन बातों को मान कर और कोड़ी काम पश्चात्ताप से न कर। किसी पर शीघ्र हाथ न रखना और दूसरों के पापों में भागी न होना: अपने आप को पवित्र बनायें रख" (1 तिमोथी 5:19-22)

3. सर्वेक्षक पैसों के लालची हो सकते हैं

   "कि परमेश्वर के उस झुन्ड की जो तुम्हारे बीच में है रखवाली करो और ये दबाव से नहीं परन्तु परमेश्वर की इच्छा के अनुसार आनन्द से और नीच कमाई के लिये नहीं पर मन लगाकर" (1 पतरस 5:2)

4. सर्वेक्षक अधिक अधिकार ले सकता है।

   "और जो लोग तुम्हे सौंपे गये हैं उनपर अधिकार न जताओ, वरन झुन्ड के लिये आदर्श बनो" (1 पतरस 5:3)

5. सर्वेक्षक अपने को बहुत महत्वपूर्ण समझें

   "मैंने मन्डली को कुछ लिखा था पर दियु गिफेस जो उन में बड़ा बनना चाहता था हमें ग्रहण नहीं करता। मैं जब आऊंगा तो उसके कामों को जो वह कर रहा है सुधि दिलाऊंगा कि वह हमारे विषय में बुरी बुरी बातें बकना है और इस पर भी सन्तोष न करके आप ही भाइयों को ग्रहण नहीं करता और उने जो ग्रहण करना चाहिये उन्हें मना करता है और मंडली से निकाल देता है"। (3 यूहन्ना 1:9-10)

कृपया इन प्रश्नो के उत्तर दें:

- वह क्या है जो आप सर्वेक्षक होकर नहीं करना चाहेंगे?
- यदि सर्वेक्षक सही व्यवहार नहीं करता तो आप को क्या करना चाहिये?

कहानी जारी है

मि. विश्वासी मि. प्रशिक्षक से कहना है "मैं देखता हूँ कि सर्वेक्षक परमेश्वर के लोगों की देखभाल ऐसी करते हैं जैसे चरवाहे अपनी भेड़ों की करते हैं। मैं कैसे एक सर्वेक्षक का कार्य आरम्भ कर सकता हूँ?"

मि. प्रशिक्षक मि. विश्वासी को उत्तर देता है, "ठीक है, यहाँ कुछ प्रयोगात्मक कार्य हैं। आओ साथ मिलकर कार्यक्रम की योजन बनायें कि हर एक को आप किस प्रकार करेंगे।"

प्रयोगात्मक कार्य

- एक सर्वेक्षक की सभी व्यक्तिगत गुणों की एक सूचि बनायें और प्रभु से सहायता मांगें।
- उन सभी कार्यो और गतिविधियों की जो परमेश्वर मन्डली से चाहता कि करे उसकी एक योजना बनायें जिसका आप निरीक्षण करेंगे। इसमें ये शामिल होना चाहिये:

  -समस्याओं का समाधान करना

  -सदस्यों और दूसरी मंडालियों के साथ आपसी संगति बनाये रखना।

  -छोटे झुन्ड बनाना जिससे हर कोई हिस्सा ले सके और एक दूसरे की सेवा कर सकें।

  -नई भेड मंडलियों को और छोटे झुन्डों को आरम्भ करें।

- अपनी मंडली या झुन्ड को सर्वेक्षको के विषय सिखायें इस पुस्तिका में बाइबल के हिस्सों को इस्तेमाल करें।
- अपनी मंडली के कुछ पुरूष चुन लो जिन्हें आप सर्वेक्षकों के रूप में प्रशिक्षित करना चाहते हैं।

समापन

प्रभु यीशु हर एक का प्रतिफल देंगे जो उसकी मंडलियों और झुन्डों का निरीक्षण करते हैं यदि वे इसे प्रेम और बुद्धि से करते हैं। परमेश्वर का पवित्र आत्मा विशेष योग्यता देता है उन्हें जिनको वह सर्वेक्षक होने के लिये बुलाता है।

एक सर्वेक्षक होकर आप अपनी मंडली को परमेश्वर को और एक दूसरे को प्रेम करने में सहायता कर सकते हो परमेश्वर की आज्ञा पालन करना और आप दूसरे पुरूषों को नये सर्वेक्षकों की नाई प्रशिक्षित कर सकते और नये झुन्ड आरम्भ कर सकते हैं।